**केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण**
**राजभाषा अनुभाग**
**उक्षेविस परिसर, कटवारिया सराय**
**नई दिल्ली-110016**

सं. सीईए-एसवाई-27-27/1/2020-राजभाषा दिनांक: 12.09.2022

**परिपत्र**

**विषय: केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण मुख्यालय में हिंदी पखवाड़ा 2022 का आयोजन।**

केविप्रा मुख्यालय में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी दिनांक 14 सितंबर, 2022 से 29 सितंबर, 2022 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के दिनांक 24 जून, 2022 के अर्धशासकीय पत्र के माध्यम से जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप इस वर्ष हिंदी दिवस समारोह एवं द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री की अध्यक्षता में दिनांक 14 एवं 15 सितंबर, 2022 को सूरत (गुजरात) में किया जाना है, तथा अन्य आयोजन दिनांक 16.09.2022 के बाद अपने-अपने मुख्यालय में किए जाने है। तदनुसार हिंदी पखवाड़ा, 2022 के दौरान केविप्रा मुख्यालय में आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियां निम्नवत हैं :

क) हिंदी कार्यशाला का आयोजन - दिनांक 19.09.2022
ख) हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन - दिनांक 19-23.09.2022
ग) काव्य संगोष्ठी एवं पुरस्कार वितरंण समारोह - दिनांक 29.09.2022 - सभागार, सेवा भवन, द्वितीय तल

2. दिनांक 14 एवं 15 सितंबर, 2022 को सूरत (गुजरात) में आयोजित किए जाने वाले समारोह का सीधा वेब प्रसारण किया जाएगा, जिसका लिंक निम्नवत् है:
https://webcast.gov.in/hindi-diwas?lang=hi

केविप्रा केसभी प्रभाग/अनुभाग प्रमुखों से अनुरोध किया जाता है कि कृपया आप अपने प्रभाग/अनुभाग के सभी कार्मिकों सहित उपर्युक्त समारोह में आभासी रूप से अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित करें।

3. हिंदी दिवस, 2022 पर जारी माननीय केंद्रीय गृह मंत्री जी का **संदेश** तथा माननीय केंद्रीय विद्युत मंत्री जी की **अपील** आपकी जानकारी एवं अभिप्रेरण हेतु संलग्न है। केविप्रा के सभी अधिकरियों/ कर्मचारियों से अनुरोध है कि कृपया उपर्युक्त सभी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी कर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

यह राजभाषा प्रभारी के अनुमोदन से जारी किया जाता है।

संलग्न: यथोपरि

12/09/2022
(डॉ. ओम प्रकाश द्विवेदी)
सहायक निदेशक (राजभाषा)

उप निदेशक (रा.भा.) का कार्यालय
डा.सं. 1596
दिनांक 12/9/2022
के.वि.प्रा.

**केविप्रा मुख्यालय के सभी अधिकारी/कर्मचारी**

80839/2022/RAJBHASHA

अंशुली आर्या, आई.ए.एस.
सचिव
ANSHULI ARYA, I.A.S.
Secretary

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
राजभाषा विभाग
गृह मंत्रालय
GOVERNMENT OF INDIA
DEPARTMENT OF OFFICIAL LANGUAGE
MINISTRY OF HOME AFFAIRS

अ.शा. पत्र सं. 11034/12/2022-रा.भा.(नीति) दिनांक: 24 जून, 2022

आदरणीय महोदय / महोदया

**विषयः 14-15 सितंबर, 2022 को सूरत (गुजरात) में हिंदी दिवस, द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन एवं वर्ष 2022 के हिंदी पखवाड़ा के आयोजन के संबंध में।**

संविधान सभा ने 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को राजभाषा के रूप में अंगीकार किया और तब से ही इस दिवस की स्मृति में, प्रतिवर्ष 14 सितंबर 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। संविधान सभा द्वारा सौंपे गए संवैधानिक और प्रशासनिक उत्तरदायित्वों तथा संविधान की भावना के अनुरूप तथा प्रेरणा, प्रोत्साहन और सद्भावना की नीति के साथ, राजभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार करने और इसके प्रयोग को बढ़ाने के निरंतर प्रयास किए जाते हैं।

2. गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग संघ के सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रगामी प्रयोग बढ़ाने और समस्त सांविधिक एवं कानूनी उपबंधों का पालन सुनिश्चित करने की दृष्टि से, अनेक महत्वपूर्ण उत्तरदायित्वों का निर्वहन करता है। इन्हीं उत्तरदायित्वों की एक कड़ी के रूप में विभाग द्वारा प्रतिवर्ष हिंदी दिवस का आयोजन दिल्ली में किया जाता रहा है। **बेहद हर्ष का विषय है कि इस वर्ष हिंदी दिवस का आयोजन माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री जी की अध्यक्षता में अत्यन्त भव्य एवं गरिमामयी स्वरूप में पहली बार दिल्ली से बाहर सूरत (गुजरात) में किया जाएगा। हिंदी दिवस एवं दूसरे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का यह सम्मिलित आयोजन 14-15 सितंबर, 2022 को सूरत में होगा।**

3. हिंदी का उत्साहवर्धक वातावरण सृजित करने और इस कार्यक्रम में माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री जी की गरिमामयी उपस्थिति को देखते हुए, अनुरोध है कि सभी मंत्रालय/विभाग/सम्बद्ध एवं अधीनस्थ कार्यालय/बैंक/उपक्रम/निगम/बोर्ड इत्यादि हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम 14 से 29 सितंबर के दौरान ही मनाना सुनिश्चित करें और विभिन्न प्रतियोगिताएं इसी अवधि के दौरान आयोजित करें। कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार बनाई जाए कि प्रत्येक कार्यालय के **हिंदी दिवस का शुभारंभ 14 सितंबर 2022 को सूरत, गुजरात से हो और समापन 29 सितंबर, 2022 को संबंधित कार्यालय में हो।** मंत्रालयों/विभागों आदि में हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित की जाने वाली विभिन्न प्रतियोगिताएं 16 सितंबर के बाद सम्पन्न कराई जाएं। मंत्रालय/विभाग/सम्बद्ध एवं अधीनस्थ कार्यालय/बैंक/उपक्रम/निगम/बोर्ड इत्यादि अपनी सुविधानुसार इस अवधि के उपरांत हिंदी माह भी आयोजित कर सकते हैं। इस दौरान इस तरह के आयोजन किए जाएं, जो अधिकारियों और कर्मचारियों को हिंदी भाषा के प्रयोग के लिए प्रोत्साहित करें। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रमों का यह भी उद्देश्य होना चाहिए कि हिंदी में मौलिक कार्य जैसे टिप्पणी, मसौदे, पत्राचार आदि को बढ़ाया

.....2/-

तृतीय तल, एन.डी.सी.सी.-II भवन, जय सिंह रोड, नई दिल्ली-110001
फोन : (91) (11) 23438266, फैक्स : (91) (11) 23438267, ई-मेल : secy-ol@nic.in

जा सके। यह भी अनुरोध है कि सभी मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों/उपक्रमों/बैंकों आदि में अमृत महोत्सव वर्ष के उपलक्ष्य में हिंदी पखवाड़े का मुख्य समारोह/पुरस्कार वितरण समारोह पखवाड़े के अंतिम दिन 29 सितंबर, 2022 (बृहस्पतिवार) या उसके बाद आयोजित किया जाए।

4. सभी मंत्रालयों/विभागों द्वारा सभी कार्मिकों को राजभाषा से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों, राजभाषा अधिनियम, 1963, राजभाषा नियम, 1976, राजभाषा संकल्प, 1968 और समय-समय पर राजभाषा विभाग द्वारा राजभाषा नीति से संबंधी जारी दिशा-निर्देशों से अवगत करवाया जाए। साथ ही सरकारी कार्य में सरल और सहज हिंदी के प्रयोग पर विशेष बल दिया जाए। वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में राजभाषा नीति जोकि, प्रेरणा, प्रोत्साहन एवं सदभावना पर आधारित है, के संबंध में चर्चा की जाए। अधिकारियों/ कार्मिकों को स्मृति आधारित अनुवाद सॉफ्टवेयर 'कंठस्थ' के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाए। प्रसंगवश यह भी उल्लेखनीय है कि राजभाषा नियम, 1976 के नियम 12 के अनुसार केंद्रीय सरकार के प्रत्येक कार्यालय के प्रशासनिक प्रमुख का यह उत्तरदायित्व है कि वह राजभाषा अधिनियम, नियम तथा इनके अंतर्गत समय-समय पर जारी किए जाने वाले दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराए।

5. आपसे अनुरोध है कि **अपने मंत्रालय/विभाग के राजभाषा से जुड़े सभी अधिकारियों एवं मंत्रालय के कुछ अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को सूरत में होने वाले हिंदी दिवस एवं दूसरे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में अनिवार्य रूप से सम्मिलित होने का निर्देश दें (संबंधित विस्तृत जानकारी राजभाषा विभाग की साइट rajbhasha.gov.in से प्राप्त की जा सकती है। कृपया सभी सम्बद्ध/ अधीनस्थ कार्यालयों/बैंकों/ उपक्रमों/ बोर्डों/ निगमों आदि को भी ऐसे ही निर्देश मंत्रालय की ओर से जारी किए जाएं। उनके राजभाषा अधिकारी भी अनिवार्य रूप से 14-15 सितंबर, 2022 को सूरत, गुजरात में होने वाले कार्यक्रम में सहभागिता सुनिश्चित करें।**

शुभकामनाओं सहित

**शुभेच्छु,**

अ आर्या

**(अंशुली आर्या)**

**भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों के सचिव**

अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

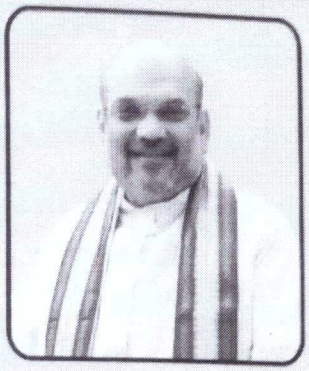

प्रिय देशवासियो !

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं ।

हमारा देश सांस्कृतिक और भाषाई दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। देश की भाषाई संपन्नता को ध्यान में रखते हुए संविधान निर्माताओं ने भारत के संविधान में भाषाओं के लिए अलग से आठवीं अनुसूची का प्रावधान किया जिसमें प्रारंभ में 14 भाषाएं रखी गयी थीं और अब इस अनुसूची में कुल 22 भाषाएं सम्मिलित हैं। भारत की सभी भाषाएं महत्वपूर्ण हैं और अपना समृद्ध इतिहास भी रखती हैं। विभिन्न भारतीय भाषाओं के साथ समन्वय स्थापित करते हुए हिंदी ने जनमानस के मन में विशेष स्थान प्राप्त किया है। यही कारण है कि आज़ादी के आंदोलन में अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने हिंदी को संपर्क भाषा बनाकर आंदोलन को गति प्रदान की। 'स्वराज' प्राप्ति के हमारे स्वतंत्रता आंदोलन में स्वभाषा का आन्दोलन निहित था। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिंदी की महती भूमिका को देखते हुए संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 343 द्वारा संघ की राजभाषा हिंदी और देवनागरी लिपि को अपनाया। संविधान के अनुच्छेद 351 में हिंदी भाषा के विकास के लिए निदेश दिए गए हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रेरणादायक नेतृत्व में आज जब पूरा देश आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और प्रत्येक क्षेत्र में हम नई ऊर्जा के साथ नये संकल्प ले रहे हैं, ऐसे में यह सामूहिक प्रयास होना चाहिए कि राजभाषा हिंदी को लेकर संविधान द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त किया जाए।

किसी लोकतांत्रिक देश में सरकारी कामकाज की भाषा तभी सार्थक भूमिका अदा कर सकती है जब वह देश के जन सामान्य से जुड़ी हो और प्रयोग करने में आसान हो, ज्यादा से ज्यादा लोग उसे समझते हों और जनसामान्य में लोकप्रिय हो। हिंदी की इन्हीं विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए 14 सितंबर 1949 के दिन हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया। इसके साथ ही राजभाषा हिंदी में आवश्यकता के अनुसार शब्दावली निर्माण, वर्तनी के मानकीकरण किए गए और सरकारी कार्यालयों में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए प्रेरणा और प्रोत्साहन की नीति अपनाई गई। राजभाषा की इस विकास यात्रा में हमने कई लक्ष्य प्राप्त किए हैं लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है। विगत तीन वर्षों से प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में सरकारी काम–काज में हिंदी का प्रयोग अधिक से अधिक करने के लिए गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग निरंतर प्रयासरत है जिससे विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में हिंदी का काम–काज तेजी से बढ़ा है। मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि वर्तमान में गृह मंत्रालय में ज्यादातर कार्य हिंदी में किया जाता है तथा कई अन्य मंत्रालयों में माननीय मंत्री भी अपना अधिकांश कार्य राजभाषा हिंदी में करते हैं।

राजभाषा कार्यान्वयन की गति तीव्र करने और समय समय पर किए गए कार्यों की समीक्षा हेतु मई, 2019 में नई सरकार के गठन के पश्चात 57 मंत्रालयों में से 53 में हिंदी सलाहकार समितियों का गठन किया गया है तथा निरंतर बैठकें आयोजित की जा रही हैं। देश भर में विभिन्न शहरों में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ाने की दृष्टि से अब तक कुल 527 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया जा चुका है। विदेशों में लंदन, सिंगापुर, फिजी, दुबई और पोर्ट लुई में भी नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया गया है। राजभाषा कार्यान्वयन को और मजबूत करने की दिशा में संसदीय राजभाषा समिति अपनी सिफारिशों के दस खंड माननीय राष्ट्रपति जी को

प्रस्तुत कर चुकी है तथा 11 वां खंड शीघ्र ही सौंपा जा रहा है।

राजभाषा विभाग द्वारा 13–14 नवंबर, 2021 को बनारस में पहला अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन तथा नई दिल्ली में केंद्रीय सचिवालय राजभाषा सेवा संवर्ग के अधिकारियों के लिए पहला तकनीकी सम्मेलन आयोजित किया गया। इन कार्यक्रमों से हिंदी प्रेमियों के उत्साह में अपार वृद्धि हुई है। यह और भी सुखद है कि हिंदी दिवस–2022 तथा द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का ऐतिहासिक आयोजन गुजरात के सूरत शहर में हो रहा है।

गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग की दिशा में निरंतर प्रयत्नशील है। राजभाषा विभाग ने स्मृति आधारित अनुवाद प्रणाली 'कंठस्थ' का निर्माण और विकास किया है जिसमें आज लगभग 22 लाख वाक्य शामिल किए जा चुके हैं। इस टूल का प्रयोग सुनिश्चित कर सरकारी कार्यालयों में अनुवाद की गति एवं गुणवत्ता बढ़ाई गई है। राजभाषा विभाग द्वारा जन–साधारण के लिए **'लीला हिंदी प्रवाह'** मोबाइल ऐप तैयार किया गया है जिसे अपनाकर 14 विभिन्न भाषा–भाषी अपनी–अपनी मातृभाषाओं से निःशुल्क हिंदी सीख सकते हैं। राजभाषा विभाग के 'ई–महाशब्दकोश' में 90 हजार शब्द सम्मिलित किए गए हैं और 'ई–सरल' हिंदी वाक्यकोश में 9 हजार वाक्य शामिल हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश को नई शिक्षा नीति मिली जिसमें मातृभाषा में शिक्षा देने को प्राथमिकता दी जा रही है। राजभाषा विभाग ने अमृत महोत्सव के अवसर पर विधि, तकनीकी, स्वास्थ्य, पत्रकारिता तथा व्यवसाय आदि सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं के प्रचलित शब्दों को शामिल करते हुए हिंदी से हिंदी **'बृहत शब्दकोश'** के निर्माण पर भी काम शुरु किया है और सुलभ संदर्भ के लिए एक अच्छे शब्दकोश का सृजन किया जा रहा है। इस तरह की उन्नत शब्दावली प्रशिक्षण, अनुवाद तथा शीघ्रता से ग्रहण करने में भाषा की जानकारी की दृष्टि से महत्वपूर्ण होगी।

हजारों वर्षों से भारतीय सभ्यता की अविरल धारा हमारी भाषाओं, संस्कृति और लोकजीवन में सुरक्षित रही है। भारत में स्थानीय भाषाओं का योगदान हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए अतुलनीय रहा है। इन भाषाओं ने हिंदी को समृद्ध किया है। हिंदी उन समस्त भारतीय भाषाओं की मूल परंपरा से है जो इस देश की मिट्टी से उपजी हैं, यहीं पुष्पित पल्लवित हुई हैं और जिन्होंने अपनी शब्द–संपदा, भाव संपदा, रूप, शैली और अपने पदों से हिंदी को लगातार समृद्ध किया है। **राजभाषा हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि उसकी सखी है और हमारी सभी भाषाओं का विकास एक दूसरे के परस्पर सहयोग से ही संभव है।**

प्रिय देशवासियो ! हिंदी दिवस के इस अवसर पर मैं आप सभी का आह्वान करता हूँ कि आप और हम मिलकर यह संकल्प लें कि अपनी भाषाओं पर गर्व की अनुभूति करेंगे। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी देश–विदेश के मंचों पर हिंदी में उद्बोधन देते हैं जिससे सभी हिंदी प्रेमियों में उत्साह का संचार होता है। आजादी के 75 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं और माननीय प्रधानमंत्री जी के प्रतिभाशाली नेतृत्व में आने वाले 25 वर्षों को देश में अमृतकाल के रूप में मनाया जा रहा है। ऐसे में भाषाई समरसता को ध्यान में रखते हुए हिंदी तथा हमारी सभी भारतीय भाषाओं का विकास अत्यंत आवश्यक है।

आइये, आज संकल्प लें कि अपने दैनिक कार्यों में, कार्यालय के कामकाज में अधिक से अधिक काम हिंदी तथा स्थानीय भाषाओं में करके दूसरों के लिए भी अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करेंगे तथा संवैधानिक दायित्वों की पूर्ति करेंगे।

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को पुनः मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

जय हिंद!

नई दिल्ली

14 सितंबर, 2022

(अमित शाह)

आर. के. सिंह
R. K. SINGH

सत्यमेव जयते

विद्युत मंत्री एवं
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री
भारत सरकार

Minister of Power and
Minister of New & Renewable Energy
Government of India

## अपील

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

राष्ट्र निर्माण में राजभाषा हिंदी एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। एक राष्ट्र, एकीकृत राष्ट्र के लिए राजभाषा का होना अत्यंत आवश्यक है। भारत की भाषाओं में हिंदी ही एक ऐसी भाषा है, जिसमें बहु-आयामी भाषाओं का समावेश है, जो कश्मीर से कन्याकुमारी तक तथा कामाख्या से कच्छ तक समझी और बोली जाती है। हिंदी संपूर्ण भारत को एकता के सूत्र में बांधने वाली भाषा रही है।

राष्ट्र निर्माण के क्रम में, हम सभी का यह कर्तव्य है कि हम हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दें और इसको बढ़ावा देना अपना कर्तव्य समझें। हमारे देश की सांस्कृतिक धरोहर बहुत महत्वपूर्ण है। धरोहर में मिली हुई सभी भाषाओं को साथ लेकर चलना है। हिंदी ही वह कड़ी है जो अन्य सभी भाषाओं को साथ लेकर चलेगी।

हिंदी दिवस के इस अवसर पर हम सब मिलकर यह प्रण लें कि हमारा लिखना, विचार करना और हमारा सोचना हिंदी में ही हो। हम अपने दैनिक कार्यों एवं सरकारी कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ाएं ताकि हिंदी का फैलाव अधिक से अधिक हो सके।

(आर.के. सिंह)

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः14 सितंबर, 2022